

सर्वदर्शनविभागः
त्रयोदशपत्रम्
UGSDSC602
अक्षरपुरुषोत्तमदर्शनम्

अक्षरपुरुषोत्तमदर्शनस्यपरिचयः

(क) लघुप्रश्नाः – ५०

1. अक्षरपुरुषोत्तमदर्शनं किम्?
2. अस्य दर्शनस्य प्रवर्तकः कः?
3. “अक्षर” शब्दस्य अर्थः कः?
4. “पुरुषोत्तम” शब्दस्य अर्थः कः?
5. परब्रह्म किम्?
6. अक्षरब्रह्म किम्?
7. जीवः कः?
8. माया का?
9. ईश्वरः कः?
10. पञ्चतत्त्वानि कानि?
11. अक्षरस्य स्वरूपं किम्?
12. पुरुषोत्तमस्य स्वरूपं किम्?
13. अक्षरधाम किम्?
14. मुक्तः कः?
15. जीवस्य बन्धः कः?

16. बन्धस्य कारणं किम्?
17. मोक्षः कः?
18. मोक्षमार्गः कः?
19. उपासना का?
20. भक्ति का?
21. सत्सङ्गः कः?
22. गुरुसेवा का?
23. ज्ञानं किम्?
24. अज्ञानं किम्?
25. जीवब्रह्मणोः भेदः कः?
26. जीवब्रह्मणोः सम्बन्धः कः?
27. अक्षरपुरुषोत्तमयोः भेदः कः?
28. तत्त्वज्ञानं किम्?
29. ब्रह्मरूपता किम्?
30. परमधाम किम्?
31. सृष्टिः का?
32. प्रलयः कः?
33. धर्मः कः?
34. अधर्मः कः?
35. साधनानि कानि?
36. श्रद्धा का?
37. वैराग्यं किम्?

38. समर्पणं किम्?
39. भगवान् कः?
40. भक्तः कः?
41. आत्मस्वरूपज्ञानं किम्?
42. परमानन्दः कः?
43. मुक्तावस्था का?
44. जीवस्य लक्ष्यं किम्?
45. ईश्वरस्य कार्यं किम्?
46. मायायाः प्रभावः कः?
47. अक्षरस्य महत्त्वं किम्?
48. पुरुषोत्तमस्य महत्त्वं किम्?
49. अस्य दर्शनस्य विशेषता का?
50. भारतीय दर्शनपरम्परायां स्थानं किम्?

(ख) टिप्पणीप्रश्नाः – ३०

1. अक्षरपुरुषोत्तमदर्शनस्य स्वरूपम्
2. अस्य दर्शनस्य प्रवर्तकः
3. अक्षरतत्त्वम्
4. पुरुषोत्तमतत्त्वम्
5. पञ्चतत्त्वसिद्धान्तः
6. परब्रह्मस्वरूपम्
7. अक्षरब्रह्मस्वरूपम्
8. जीवतत्त्वम्

9. मायातत्त्वम्
10. ईश्वरतत्त्वम्
11. जीवबन्धः
12. बन्धकारणम्
13. मोक्षसिद्धान्तः
14. मोक्षमार्गः
15. उपासनास्वरूपम्
16. भक्तिसिद्धान्तः
17. सत्सङ्गमहत्त्वम्
18. गुरुसेवा
19. ज्ञान-अज्ञानयोः भेदः
20. ब्रह्मरूपता
21. अक्षरधाम
22. मुक्तावस्था
23. धर्म-अधर्म
24. श्रद्धा-वैराग्ये
25. आत्मस्वरूपज्ञानम्
26. जीवब्रह्मसम्बन्धः
27. अक्षरपुरुषोत्तमभेदः
28. दर्शनस्यविशेषताः
29. भक्ति-प्रधानता
30. भारतीयदर्शनपरम्परायांस्थानम्

(ग) दीर्घप्रश्नाः – २०

1. अक्षरपुरुषोत्तमदर्शनस्यस्वरूपंविस्तरेणविवेचयत।
2. अस्यदर्शनस्यप्रवर्तकस्ययोगदानंनिरूपयत।
3. पञ्चतत्त्वसिद्धान्तंविस्तारतःवर्णयत।
4. अक्षरतत्त्वंविवेचयत।
5. पुरुषोत्तमतत्त्वंविस्तरेणनिरूपयत।
6. जीवतत्त्वस्यस्वरूपंस्पष्टयत।
7. मायातत्त्वंविवेचयत।
8. ईश्वरतत्त्वंनिरूपयत।
9. बन्धमोक्षयोःस्वरूपंविवेचयत।
10. मोक्षमार्गंविस्तारतःवर्णयत।
11. उपासनायाःमहत्त्वंस्पष्टयत।
12. भक्तिसिद्धान्तंविवेचयत।
13. सत्सङ्गस्यमहत्त्वंनिरूपयत।
14. गुरुसेवायाःभूमिका विवेचयत।
15. ब्रह्मरूपतायाःसिद्धान्तंस्पष्टयत।
16. आत्मस्वरूपज्ञानस्यमहत्त्वंविवेचयत।
17. अक्षरपुरुषोत्तमयोःभेदंविवेचयत।
18. अस्यदर्शनस्यविशेषताःनिरूपयत।
19. भक्ति-ज्ञान-कर्मसमन्वयंविवेचयत।
20. भारतीयदर्शनपरम्परायांअक्षरपुरुषोत्तमदर्शनस्यस्थानंमहत्त्वं च विवेचयत।

श्रीमद्भगवद्गीता, स्वामिनारायणभाष्यम् – अष्टमाध्यायः

(क) लघुप्रश्नाः – ५०

1. अष्टमाध्यायस्य नाम किम्?
2. अर्जुनः किम्पृच्छति?
3. ब्रह्म किम्?
4. अध्यात्मं किम्?
5. कर्म किम्?
6. अधिभूतं किम्?
7. अधिदैवं किम्?
8. अधियज्ञः कः?
9. अन्तकाले स्मरणस्य महत्त्वं किम्?
10. मरणकाले किञ्चिन्तनीयम्?
11. “अन्तकाले” इत्यस्य अर्थः कः?
12. स्मरणयोगः कः?
13. योगयुक्तः कः?
14. निरन्तरं चिन्तनं किम्?
15. ओंकारः कः?
16. प्रणवस्य महत्त्वं किम्?
17. ब्रह्ममार्गः कः?
18. देवयानमार्गः कः?
19. पितृयानमार्गः कः?

20. पुनर्जन्मः किम्?
21. मोक्षः कः?
22. अक्षरं किम्?
23. पुरुषः कः?
24. परमपुरुषः कः?
25. योगधारणम् किम्?
26. चित्तनिरोधः कः?
27. भक्तिः का?
28. श्रद्धा का?
29. ध्यानं किम्?
30. उपासना का?
31. ब्रह्मविदः के?
32. कालः कः?
33. मृत्युः का?
34. पुनरावृत्तिः का?
35. अनावृत्तिः का?
36. ज्ञानयोगः कः?
37. भक्तियोगः कः?
38. योगबलं किम्?
39. ब्रह्मलोकः कः?
40. परमगतिः का?
41. साधकः कः?

42. योगी कः?
43. स्मरणफलम्किम्?
44. कर्मफलम्किम्?
45. संसारः कः?
46. जीवः कः?
47. ईश्वरः कः?
48. माया का?
49. अक्षरब्रह्मणः स्वरूपकिम्?
50. अष्टमाध्यायस्यसारः कः?

(ख) टिप्पणीप्रश्नाः – ३०

1. अष्टमाध्यायस्यस्वरूपम्
2. अर्जुनस्यप्रश्नाः
3. ब्रह्मतत्त्वम्
4. अध्यात्मतत्त्वम्
5. कर्मतत्त्वम्
6. अधिभूतम्
7. अधिदैवम्
8. अधियज्ञः
9. अन्तकालस्मरणम्
10. स्मरणयोगः
11. ओंकारोपासना
12. प्रणवमहत्त्वम्

13. ब्रह्ममार्गः
14. देवयानमार्गः
15. पितृयानमार्गः
16. पुनर्जन्मसिद्धान्तः
17. मोक्षसिद्धान्तः
18. अक्षरब्रह्म
19. परमपुरुषः
20. योगधारणा
21. ध्यानयोगः
22. भक्ति
23. श्रद्धा
24. चित्तनिरोधः
25. कालतत्त्वम्
26. मृत्युतत्त्वम्
27. पुनरावृत्तिः
28. अनावृत्तिः
29. परमगतिः
30. अध्यायस्यसारः

(ग) दीर्घप्रश्नाः – २०

1. अष्टमाध्यायस्य (अक्षरब्रह्मयोगस्य) स्वरूपं विस्तरेण विवेचयत।
2. अर्जुनप्रश्नानां विस्तृतं निरूपणं कुर्वन्तु।
3. ब्रह्म-अध्यात्म-कर्म-अधिभूत-अधिदैव-अधियज्ञ इत्येतानां विवेचनं कुर्वन्तु।

4. अन्तकालेभगवतःस्मरणस्यमहत्त्वंविवेचयत।
5. स्मरणयोगस्यस्वरूपंनिरूपयत।
6. ओंकारोपासनायाःमहत्त्वंविवेचयत।
7. देवयान-पितृयानमार्गयोःतुलनात्मकंविवेचनंकुर्वन्तु।
8. पुनर्जन्ममोक्षयोःस्वरूपंविवेचयत।
9. अक्षरब्रह्मणःस्वरूपंविस्तरेणनिरूपयत।
10. परमपुरुषस्यतत्त्वंविवेचयत।
11. योगधारणायाः प्रक्रिया विवेचयत।
12. ध्यानयोगस्यमहत्त्वंनिरूपयत।
13. भक्ति-श्रद्धयोः भूमिका विवेचयत।
14. चित्तनिरोधस्यसाधनंविवेचयत।
15. कालमृत्युतत्त्वयोःविवेचनंकुर्वन्तु।
16. पुनरावृत्त्यनावृत्त्योःभेदंस्पष्टयत।
17. परमगतेःस्वरूपंविवेचयत।
18. अष्टमाध्यायस्यशिक्षांसंक्षेपेणनिरूपयत।
19. स्वामिनारायणभाष्यदृष्ट्याअष्टमाध्यायस्यविवेचनंकुर्वन्तु।
20. अध्यायस्यदार्शनिकमहत्त्वंविवेचयत।

श्रीमद्भगवद्गीता. स्वामिनारायणभाष्यम् – पञ्चदशाध्यायः

(क) लघुप्रश्नाः – ५०

1. पञ्चदशाध्यायस्य नाम किम्?
2. अस्य अध्यायस्य मुख्यविषयः कः?

3. अश्वत्थवृक्षःकः?
4. अस्यवृक्षस्यमूलंकिम्?
5. अस्यशाखाःकाः?
6. अस्यपर्णानिकानि?
7. संसारवृक्षस्यस्वरूपंकिम्?
8. अस्यवृक्षस्यछेदनंकथंभवति?
9. वैराग्यंकिम्?
10. असङ्गशस्त्रंकिम्?
11. परमंपदंकिम्?
12. तत् पदं के प्राप्नुवन्ति?
13. न पुनरावृत्तिःकिम्?
14. जीवःकः?
15. जीवस्यस्वरूपंकिम्?
16. जीवःकथंशरीरंप्राप्नोति?
17. इन्द्रियाणिकानि?
18. मनःकिम्?
19. प्रकृतिः का?
20. पुरुषःकः?
21. क्षरःकः?
22. अक्षरःकः?
23. पुरुषोत्तमःकः?
24. परमात्मा कः?

25. जीवपरमात्मनोःसम्बन्धःकः?

26. ज्ञानंकिम्?

27. अज्ञानंकिम्?

28. सूर्यःकिमर्थनिर्दिष्टः?

29. चन्द्रःकिमर्थनिर्दिष्टः?

30. अग्निःकिमर्थनिर्दिष्टः?

31. अन्नपाचनंकिम्?

32. वैश्वानरःकः?

33. हृदिस्थितःकः?

34. स्मृतिः का?

35. ज्ञानम्कृतःजायते?

36. अपोहनंकिम्?

37. वेदवित्कः?

38. वेदान्तकृत्कः?

39. वेदविद्कः?

40. पुरुषोत्तमस्यमहत्त्वंकिम्?

41. मोक्षःकः?

42. बन्धःकः?

43. संसारःकः?

44. परमगतिः का?

45. भक्ति का?

46. योगःकः?

47. अध्यायस्यसारःकः?

48. अस्य अध्यायस्य विशेषता का?

49. संसारस्य कारणं किम्?

50. मोक्षमार्गः कः?

(ख) टिप्पणीप्रश्नाः – ३०

1. पञ्चदशाध्यायस्यस्वरूपम्

2. पुरुषोत्तमयोगः

3. अश्वत्थवृक्षोपमा

4. संसारवृक्षः

5. असङ्गशस्त्रम्

6. वैराग्यसिद्धान्तः

7. परमंपदम्

8. न पुनरावृत्तिः

9. जीवस्वरूपम्

10. जीवपर्यटनम्

11. इन्द्रियसमूहः

12. मनः

13. प्रकृतिः

14. क्षर-अक्षरतत्त्वम्

15. पुरुषोत्तमतत्त्वम्

16. परमात्मस्वरूपम्

17. ज्ञान-अज्ञानम्

- 18.सूर्य-चन्द्र-अग्नि
- 19.वैश्वानरः
- 20.हृदयस्थितिः
- 21.स्मृतिज्ञानापोहनम्
- 22.वेदविदः
- 23.वेदान्तकृत्
- 24.पुरुषोत्तमस्यमहत्त्वम्
- 25.मोक्षसिद्धान्तः
- 26.बन्धसिद्धान्तः
- 27.संसारतत्त्वम्
- 28.परमगतिः
- 29.भक्ति-योगः
- 30.अध्यायस्यसारः

(ग) दीर्घप्रश्नाः – २०

1. पञ्चदशाध्यायस्य (पुरुषोत्तमयोगस्य) स्वरूपंविस्तरेणविवेचयत।
2. अश्वत्थवृक्षस्यरूपकंविस्तरेणनिरूपयत।
3. संसारवृक्षस्यछेदनंकथंसम्भवति इति विवेचयत।
4. असङ्गशस्त्रस्यमहत्त्वंस्पष्टयत।
5. परमपदस्यस्वरूपंविवेचयत।
6. जीवस्यस्वरूपं तथा तस्यसंसारगमनंविवेचयत।
7. इन्द्रिय-मनसः भूमिका विवेचयत।
8. प्रकृतिपुरुषयोःसम्बन्धंविवेचयत।

9. क्षर-अक्षरयोःभेदंस्पष्टयत।
- 10.पुरुषोत्तमतत्त्वंविस्तरेणनिरूपयत।
- 11.परमात्मनःस्वरूपंविवेचयत।
- 12.ज्ञान-अज्ञानयोःविवेचनंकुर्वन्तु।
- 13.सूर्य-चन्द्र-अग्नीनांदार्शनिकंमहत्त्वंविवेचयत।
- 14.वैश्वानरस्यकार्यंनिरूपयत।
- 15.हृदिस्थितस्यपरमात्मनःस्वरूपंविवेचयत।
- 16.स्मृतिज्ञानापोहनस्यविवेचनंकुर्वन्तु।
- 17.वेदान्तदृष्ट्यापुरुषोत्तमस्यमहत्त्वंविवेचयत।
- 18.मोक्षमार्गंविस्तारतःवर्णयत।
- 19.स्वामिनारायणभाष्यदृष्ट्यापञ्चदशाध्यायस्यविवेचनंकुर्वन्तु।
- 20.अध्यायस्यदार्शनिकंमहत्त्वंविवेचयत।

सिद्धान्तसुधा

(क) लघुप्रश्नाः – ५०

1. सिद्धान्तसुधा का?
2. अस्यग्रन्थस्य कर्ता कः?
3. अस्यग्रन्थस्य विषयः कः?
4. ब्रह्म किम्?
5. जीवःकः?
6. जगत्किम्?
7. मायाऽ का?
8. अविद्या का?

9. बन्धःकः?
10. मोक्षःकः?
11. ज्ञानंकिम्?
12. अज्ञानंकिम्?
13. प्रमाणंकिम्?
14. प्रत्यक्षंकिम्?
15. अनुमानंकिम्?
16. शब्दःकः?
17. उपमानंकिम्?
18. अर्थापत्तिः का?
19. अनुपलब्धिः का?
20. साधनचतुष्टयंकिम्?
21. विवेकःकः?
22. वैराग्यंकिम्?
23. शमः कः?
24. दमः कः?
25. उपरतिः का?
26. तितिक्षा का?
27. श्रद्धा का?
28. समाधानंकिम्?
29. मुमुक्षुत्वंकिम्?
30. श्रवणंकिम्?

31. मननं किम्?
32. निदिध्यासनं किम्?
33. आत्मा कः?
34. परमात्मा कः?
35. जीवब्रह्मणोः अभेदः कः?
36. अध्यासः कः?
37. अद्वैतवादः कः?
38. सगुणब्रह्म किम्?
39. निर्गुणब्रह्म किम्?
40. कारणं किम्?
41. कार्यं किम्?
42. उपाधिः का?
43. नामरूपे किम्?
44. संसारः कः?
45. कर्म किम्?
46. कर्मफलम् किम्?
47. ईश्वरः कः?
48. जीवन्मुक्तिः का?
49. विदेहमुक्तिः का?
50. सिद्धान्तसुधायाः सारः कः?

(ख) टिप्पणीप्रश्नाः – ३०

1. सिद्धान्तसुधाग्रन्थस्य स्वरूपम्

2. ब्रह्मतत्त्वम्
3. जीवतत्त्वम्
4. जगत्तत्त्वम्
5. मायासिद्धान्तः
6. अविद्यास्वरूपम्
7. बन्धसिद्धान्तः
8. मोक्षसिद्धान्तः
9. ज्ञानमार्गः
10. प्रमाणमीमांसा
11. प्रत्यक्षप्रमाणम्
12. अनुमानप्रमाणम्
13. शब्दप्रमाणम्
14. उपमानप्रमाणम्
15. अर्थापत्तिः
16. अनुपलब्धिः
17. साधनचतुष्टयम्
18. श्रवण-मनन-निदिध्यासनम्
19. आत्मस्वरूपम्
20. परमात्मस्वरूपम्
21. जीवब्रह्माभेदः
22. अध्यासवादः
23. अद्वैतवादः

24. सगुणनिर्गुणब्रह्म
25. कारणकार्यभावः
26. उपाधिवादः
27. संसारस्वरूपम्
28. कर्मसिद्धान्तः
29. जीवन्मुक्तिः
30. विदेहमुक्तिः

(ग) दीर्घप्रश्नाः – २०

1. सिद्धान्तसुधाग्रन्थस्यस्वरूपंविस्तरेणविवेचयत।
2. ब्रह्मतत्त्वंविस्तारतःनिरूपयत।
3. जीवब्रह्मणोःअभेदंविवेचयत।
4. मायासिद्धान्तंस्पष्टयत।
5. अविद्यायाःस्वरूपंविवेचयत।
6. बन्धमोक्षयोःस्वरूपंविवेचयत।
7. ज्ञानमार्गस्यमहत्त्वंनिरूपयत।
8. प्रमाणमीमांसांविस्तरेणविवेचयत।
9. साधनचतुष्टयस्यविवेचनंकुर्वन्तु।
10. श्रवण-मनन-निदिध्यासनानां प्रक्रिया विवेचयत।
11. आत्मपरमात्मनोःसम्बन्धंविवेचयत।
12. अध्यासवादंविस्तारतःस्पष्टयत।
13. अद्वैतवादस्यसिद्धान्तंविवेचयत।
14. सगुणनिर्गुणब्रह्मणोःभेदंविवेचयत।

15. कारणकार्यभावंविवेचयत।
16. उपाधिवादंनिरूपयत।
17. संसारस्यस्वरूपंकारणं च विवेचयत।
18. कर्मसिद्धान्तंविस्तारतःवर्णयत।
19. जीवन्मुक्तेःस्वरूपंविवेचयत।
20. विदेहमुक्तेःस्वरूपंनिरूपयत।

Question Bank (प्रश्नकोषः) 2025-26

Code - UG DSC 604

न्याय-वैशेषिकदर्शनप्रवीणः

ग्रन्थौ - न्यायसिद्धान्तमुक्तावली(अनुमानोपमानशब्दखण्डः) एवञ्च न्यायभाष्यम् (प्रथमोऽध्यायः)

लघुत्तरप्रश्नाः		
1	कः परामर्शः?	व्यापारः/ व्याप्यस्य पक्षवृत्तित्वधीः परामर्शः।
2	अनुमितौ करणं किम्?	व्याप्तिज्ञानम्।
3	ज्ञायमानं लिङ्गमनुमितौ करणं न वा?	न।
4	पर्वतो धूमवानिति कीदृशं ज्ञानम्?	पक्षधर्मताज्ञानम्।
5	साहचर्यनियमः क उच्यते?	व्याप्तिः
6	पूर्वपक्षव्याप्तिलक्षणं किम्?	साध्यवदन्याऽवृत्तित्वम्
7	सिद्धान्तव्याप्तेर्लक्षणं किम्?	हेत्वधिकरणवृत्त्यभावप्रतियोगिसाध्यसामानाधिकरण्यम्।
8	समवायेन वह्न्यधिकरणं किम्?	वह्नेरवयवाः।
9	वह्निमान् धूमादित्यत्र हेतुतावच्छेदकसम्बन्धः कः?	संयोगः।
10	सामानाधिकरण्यं नाम किम्?	समानम् एकमधिकरणं ययोः तयोः सामानाधिकरण्यम्।
11	पर्वतो धूमवान् वह्नेरित्यत्र साध्यः कः?	धूमः
12	हेतोः पञ्चरूपाणि कानि?	पक्षसत्त्व-सपक्षसत्त्व-विपक्षासत्त्व-अबाधितत्व-असत्प्रतिपक्षत्वानि
13	हेत्वधिकरणं कथं वाच्यम्?	हेतुतावच्छेदकविशिष्टाधिकरणं वाच्यम्।
14	अभावः कथं बोध्यः?	प्रतियोगिव्यधिकरणो बोध्यः।
15	प्रतियोग्यनधिकरणत्वं कथं वाच्यम्?	प्रतियोगितावच्छेदकावच्छिन्नानधिकरणत्वम्।
16	कः पक्षः?	सन्दिग्धसाध्यवान् पक्षः।
17	सपक्षः कः?	निश्चितसाध्यवान्।
18	विपक्षः कः?	निश्चितसाध्याभाववान्
19	का नाम पक्षता?	सिषाधयिषाविरहविशिष्टसिद्ध्यभावः
20	का नाम सिषाधयिषा?	साध्यितुमिच्छा
21	हेत्वाभासाः कति? के च ते?	पञ्च। सव्यभिचार-विरुद्ध-सत्प्रतिपक्ष-असिद्ध-बाधिताः।
22	सव्यभिचारः कतिविधः? के च ते?	त्रिविधः। साधारणासाधारणानुपसंहारिभेदात्।
23	हेत्वाभाससामान्यलक्षणं किम्?	यद्विषयकत्वेन ज्ञानस्यानुमितिविरोधित्वं तत्त्वम्।
24	असिद्धः कतिविधः? के च ते?	त्रिविधः। आश्रयासिद्धः स्वरूपासिद्धः व्याप्यत्वासिद्धश्चेति।
25	उपमितिकरणं किम्?	उपमानम्
26	का नाम उपमितिः?	संज्ञासंज्ञिसम्बन्धज्ञानम्
27	उपमितौ व्यापारः कः?	अतिदेशवाक्यार्थस्मरणम् उपमितौ व्यापारः।
28	शाब्दबोधे करणं किम्?	पदज्ञानम्।
29	का नाम शक्तिः?	अस्मात्पदादयमर्थो बोद्धव्य इतीश्वरसङ्केतः शक्तिः।
30	शाब्दबोधे व्यापारः कः?	पदजन्यपदार्थस्मरणं शाब्दबोधे व्यापारः।
31	वृत्तिः कतिविधा? के च ते?	द्विविधा, शक्तिलक्षणा चेति।
32	शक्तिग्रहः कस्माद्भवति?	व्याकरणोपमानकोशाप्तवाक्य-व्यवहार-वाक्यशेष-विवरण-सान्ध्यतः सिद्धपदस्य कथनाच्च।
33	आधुनिके नाम्नि शक्तिरस्ति न वा?	अस्ति

34	पिकपदवाच्यः क इति कथं शक्तिग्रहो भवति?	आप्तवाक्यात्
35	जातिशक्तिवादिनः के?	मीमांसकाः
36	जात्याकृतिविशिष्टव्यक्तौ शक्तिरिति केषां मतम्?	नैयायिकानाम्
37	पदचातुर्विध्यं किम्?	यौगिकम्, रूढम्, योगरूढम्, यौगिकरूढम्
38	का नाम लक्षणा?	शक्यसम्बन्धो लक्षणा
39	लक्षणा कतिविधा? काश्च ताः?	त्रिविधा, जहद्, अजहद्, जहदजहच्चेति
40	का नाम लक्षितलक्षणा?	शक्यार्थस्य परम्परासम्बन्धरूपा लक्षणा
41	शाब्दबोधकारणानि कानि?	आसत्तियोग्यताकाङ्क्षातात्पर्यज्ञानानि।
42	आकाङ्क्षा अर्थात् किम्?	यत्पदेन विना यस्यानुभावकता भवेत्।
43	योग्यता का?	एकपदार्थेऽपरपदार्थसम्बन्धः।
44	आसत्तिर्नाम का?	अन्वयप्रतियोग्यनुयोगिपदयोरव्यवधानम्।
45	किं नाम तात्पर्यम्?	वक्तुरिच्छा
46	गौतममहर्षिणा रचितं दर्शनं किम्?	न्यायदर्शनम्।
47	न्यायभाष्यस्य कर्ता कः?	महर्षिवात्स्यायनः।
48	न्यायसूत्रे कति अध्यायाः सन्ति?	५।
49	यमुद्दिश्यप्रवर्तते तत् किम्?	प्रयोजनम्।
50	गन्ध.....तदर्थाः। पूरयत।	गन्धरसरूपस्पर्शशब्दाः पृथिव्यादिगुणास्तदर्थाः।
51	बुद्धेः अर्थान्तरं किम्?	उपलब्धिः ज्ञानं वा।
52	सदसद्विषयकं किमुच्यते?	अनुमानम्।
53	अनुमानं कतिविधम्? किञ्च तत्?	त्रिविधम्, पूर्ववच्छेशवत्सामान्यतोदृष्टञ्च।
54	सूत्रोक्तं प्रत्यक्षलक्षणं किम्?	इन्द्रियार्थसन्निकर्षोत्पन्नं ज्ञानमव्यपदेश्यमव्यभिचारिव्यवसायात्मकं प्रत्यक्षम्।
55	व्याभिचारिबुद्धिः कीदृशी?	अतस्मिन्स्तद्बुद्धिः।
56	आत्मनो लिङ्गं किम्?	इच्छाद्वेषप्रयत्नसुखदुःखज्ञानान्यात्मनो लिङ्गम्।
57	मनसो लिङ्गं किम्?	युगपज्ज्ञानानुत्पत्तिर्मनसो लिङ्गम्।
58	किं नाम दुःखम्?	बाधनालक्षणं दुःखम्।
59	कः अपवर्गः?	तदत्यन्तविमोक्षोऽपवर्गः।
60	दृष्टान्तः कः?	लौकिकपरीक्षकाणां यस्मिन्नर्थे बुद्धिसाम्यं स दृष्टान्तः।
61	निग्रहस्थानं कीदृशम्?	विप्रतिपत्तिरप्रतिपत्तिश्च निग्रहस्थानम्।
62	वादः कः?	प्रमाणतर्कसाधनोपालम्भः सिद्धान्ताविरुद्धः पञ्चावयवोपपन्नः पक्षप्रतिपक्षपरिग्रहो वादः ।
63	कः सव्यभिचारः?	अनैकान्तिको सव्यभिचारः।
64	हेत्वाभासाः के?	सव्यभिचार-विरुद्ध-प्रकरणसम-साध्यसम-कालातीता हेत्वाभासाः ।
65	यस्मात् प्रकरणचिन्ता स निर्णयार्थमपदिष्टः कः?	प्रकरणसमः ।

66	उपचारच्छलस्योदाहरणं किम्?	मञ्चाः क्रोशन्ति।
67	'नवकम्बलोऽस्ये'ति कस्योदाहरणम्?	वाक्छलस्य ।
68	किं नाम छलम्?	वचनविघातोऽर्थविकल्पोपपत्त्या छलम्।
69	त्रिस्रः कथा के भवन्ति?	वाद-जल्प-वितण्डा च ।
70	वितण्डा का?	प्रतिपक्षस्थापनाहीनो वितण्डा।
71	शरीरं किम्?	चेष्टेन्द्रियार्थाश्रयः शरीरम्।
72	छलं कतिविधम्? किञ्च तत्?	त्रिविधम्। वाक्छलं सामान्यच्छलमुपचारच्छलञ्चेति
73	विप्रतिपत्तिरप्रतिपत्तिश्च किम्?	निग्रहस्थानम्।
74	कः शब्दः?	आप्तोपदेशः
75	कः प्रेत्यभावः?	पुनरुत्पत्तिः प्रेत्यभावः
76	कः संशयः?	समानान्नेकधर्मोपपत्तेर्विप्रतिपत्तेरुपलब्ध्यनुपलब्ध्यव्यवस्थातश्च विशेषापेक्षो विमर्शः संशयः
77	सूत्रोक्तं प्रयोजनं किम्?	यमर्थमधिकृत्यप्रवर्तते तत् प्रयोजनम्
78	सिद्धान्तभेदाः के?	सर्वतन्त्रप्रतितन्त्राऽधिकरणाभ्युपगमसंस्थितिरिति
79	के अवयवाः?	प्रतिज्ञाहेतूदाहरणोपनयनिगमनान्यवयवाः
80	सूत्रोक्तं हेतुलक्षणं किम्?	उदाहरणसाधर्म्यात्साध्यसाधनं हेतुः
81	सूत्रोक्तोपनयः कः?	उदाहरणापेक्षस्तथेत्युपसंहारो न तथेति वा साध्यस्योपनयः
82	सूत्रोक्तनिगमनं किम्?	हेत्वपदेशात् प्रतिज्ञायाः पुनर्वचनं निगमनम्
83	तर्कः कः?	अविज्ञाततत्त्वेऽर्थे कारणोपपत्तिः तत्त्वज्ञानार्थमूहस्तर्कः
84	निर्णयः कः?	विमृश्य पक्षप्रतिपक्षाभ्यामर्थावधारणं निर्णयः
85	जल्पः क उच्यते?	यतोक्तोपपन्नश्छलजातिनिग्रहस्थानसाधनोपालम्भो जल्पः
86	सम्भवतोऽर्थस्याऽतिसामान्ययोगात्- असम्भूतार्थकल्पना किमुच्यते?	सामान्यच्छलम्
87	सिद्धान्तमभ्युपेत्य तद्विरोधी क उच्यते?	विरुद्धः
88	कः कालातीतः?	कालत्ययापदिष्टः कालातीतः
89	का नाम जातिः?	साधर्म्यवैधर्म्याभ्यां प्रत्यवस्थानं जातिः
90	किं नाम निग्रहस्थानम्?	विप्रतिपत्तिरप्रतिपत्तिश्च निग्रहस्थानम्

६ अङ्कप्रश्नाः

1	अनुमित्युत्पत्तिप्रक्रियां व्याख्यात।
2	पूर्वपक्षव्याप्तिं परिचाययत।
3	सिद्धान्तव्याप्तिं व्याख्यात।
4	परामर्शं व्याख्यात।
5	पक्षतालक्षणं व्याख्यात।
6	हेत्वाभासान् परिचाययत।
7	शाब्दबोधप्रक्रियां व्याख्यात।
8	उपमित्युत्पत्तिप्रक्रियां व्याख्यात।

9	शक्तिं व्याख्यात।
10	लक्षणां व्याख्यात।
11	शाब्दबोधकारणानि व्याख्यात।
12	पदचातुर्विध्यं व्याख्यात।
13	प्रत्यक्षप्रमाणं व्याख्यात।
14	अनमानप्रमाणं व्याख्यात।
15	प्रमेयसूत्रं व्याख्यात।
16	आत्मनो अस्तित्वे सूत्रोक्तं प्रमाणं व्याख्यात।
17	दृष्टान्तं व्याख्यात।
18	अवयवाः व्याख्येयाः।
19	वादसूत्रं व्याख्यात।
20	जल्पसूत्रं व्याख्यात।
21	'दुःखजन्मप्रवृत्तिदोषमिथ्याज्ञानानामुत्तरोत्तराऽपाये तदनन्तरापायादपवर्गः' व्याख्यात।
22	'आप्तोपदेशः शब्दः' सूत्रं व्याख्यात।
23	'घ्राणरसनचक्षुस्त्वक्-श्रोत्राणीन्द्रियाणि भूतेभ्यः' व्याख्यात।
24	'सम्भवतोऽर्थस्याऽतिसामान्ययोगादसम्भूतार्थकल्पना सामान्यच्छलम्' व्याख्यात।
25	'साधर्म्यवैधर्म्याभ्यां प्रत्यवस्थानं जातिः' व्याख्यात।

१० अङ्कप्रश्नाः

1	'साध्यवदन्याऽवृत्तित्वम्' लक्षणमिदं समन्वयीकुरुत।
2	'हेत्वधिकरणवृत्त्यभावप्रतियोगिसाध्यसामानाधिकरण्यम्' लक्षणमिदं सर्वत्र समन्वयीकुरुत।
3	व्याप्ति-पक्षधर्मता-परामर्शानाम् अनुमितौ करणत्वं प्रतिपादयत।
4	पक्षतायाः स्वरूपं विवृणुत।
5	जातिशक्तिवादमतं निरस्य स्वमतमुपस्थापयत।
6	सव्यभिचारहेत्वाभासं सोदाहरणमुपपादयत।
7	असिद्धहेत्वाभासं लक्षणोदाहरणैः विशदीकुरुत।
8	विरुद्धसत्प्रतिपक्षबाधहेत्वाभासान् व्याख्यात।
9	शाब्दबोधकारणानि विशदीकुर्वन्तु।
10	शक्तिग्रहकारणानि मुक्तावल्यानुसारं प्रतिपादनीयानि।
11	प्रथमेऽध्याये प्रतिपादतविषयान् सङ्क्षेपेण परिचाययन्तु।
12	षोडशपदार्थान् भाष्यदिशा प्रतिपादयन्तु।
13	आत्मशीरेन्द्रियेति प्रमेयसूत्रार्थं भाष्यदिशा विवृण्वन्तु।
14	'तदत्यन्तविमोक्षोऽपवर्गः' भाष्यानुसारं सूत्रमिदं व्याख्यात।
15	संशयलक्षणं भाष्यानुसारं विशदीकुर्वन्तु।
16	सप्रभेदं च्छलं भाष्यदिशा प्रतिपादयन्तु।
17	सप्रभेदं सोदाहरणञ्च सिद्धान्तं विशदीकुर्वन्तु।
18	पञ्चावयवाः सोदाहरणं व्याख्येयाः।
19	हेत्वाभासाः न्यायभाष्यदिशा प्रतिपादयन्तु।
20	तर्कनिर्णयौ यथाभाष्यं व्याख्येयौ।

Question Bank (प्रश्नकोषः) 2025-26

Code - UG DSC 604

न्याय-वैशेषिकदर्शनप्रवीणः

ग्रन्थौ - न्यायसिद्धान्तमुक्तावली(अनुमानोपमानशब्दखण्डः) एवञ्च न्यायभाष्यम् (प्रथमोऽध्यायः)

लघुत्तरप्रश्नाः		
1	कः परामर्शः?	व्यापारः/ व्याप्यस्य पक्षवृत्तित्वधीः परामर्शः।
2	अनुमितौ करणं किम्?	व्याप्तिज्ञानम्।
3	ज्ञायमानं लिङ्गमनुमितौ करणं न वा?	न।
4	पर्वतो धूमवानिति कीदृशं ज्ञानम्?	पक्षधर्मताज्ञानम्।
5	साहचर्यनियमः क उच्यते?	व्याप्तिः
6	पूर्वपक्षव्याप्तिलक्षणं किम्?	साध्यवदन्याऽवृत्तित्वम्
7	सिद्धान्तव्याप्तेर्लक्षणं किम्?	हेत्वधिकरणवृत्त्यभावप्रतियोगिसाध्यसामानाधिकरण्यम्।
8	समवायेन वह्न्यधिकरणं किम्?	वह्नेरवयवाः।
9	वह्निमान् धूमादित्यत्र हेतुतावच्छेदकसम्बन्धः कः?	संयोगः।
10	सामानाधिकरण्यं नाम किम्?	समानम् एकमधिकरणं ययोः तयोः सामानाधिकरण्यम्।
11	पर्वतो धूमवान् वह्नेरित्यत्र साध्यः कः?	धूमः
12	हेतोः पञ्चरूपाणि कानि?	पक्षसत्त्व-सपक्षसत्त्व-विपक्षासत्त्व-अबाधितत्व-असत्प्रतिपक्षत्वानि
13	हेत्वधिकरणं कथं वाच्यम्?	हेतुतावच्छेदकविशिष्टाधिकरणं वाच्यम्।
14	अभावः कथं बोध्यः?	प्रतियोगिव्यधिकरणो बोध्यः।
15	प्रतियोग्यनधिकरणत्वं कथं वाच्यम्?	प्रतियोगितावच्छेदकावच्छिन्नानधिकरणत्वम्।
16	कः पक्षः?	सन्दिग्धसाध्यवान् पक्षः।
17	सपक्षः कः?	निश्चितसाध्यवान्।
18	विपक्षः कः?	निश्चितसाध्याभाववान्
19	का नाम पक्षता?	सिषाधयिषाविरहविशिष्टसिद्ध्यभावः
20	का नाम सिषाधयिषा?	साध्यितुमिच्छा
21	हेत्वाभासाः कति? के च ते?	पञ्च। सव्यभिचार-विरुद्ध-सत्प्रतिपक्ष-असिद्ध-बाधिताः।
22	सव्यभिचारः कतिविधः? के च ते?	त्रिविधः। साधारणासाधारणानुपसंहारिभेदात्।
23	हेत्वाभाससामान्यलक्षणं किम्?	यद्विषयकत्वेन ज्ञानस्यानुमितिविरोधित्वं तत्त्वम्।
24	असिद्धः कतिविधः? के च ते?	त्रिविधः। आश्रयासिद्धः स्वरूपासिद्धः व्याप्यत्वासिद्धश्चेति।
25	उपमितिकरणं किम्?	उपमानम्
26	का नाम उपमितिः?	संज्ञासंज्ञिसम्बन्धज्ञानम्
27	उपमितौ व्यापारः कः?	अतिदेशवाक्यार्थस्मरणम् उपमितौ व्यापारः।
28	शाब्दबोधे करणं किम्?	पदज्ञानम्।
29	का नाम शक्तिः?	अस्मात्पदादयमर्थो बोद्धव्य इतीश्वरसङ्केतः शक्तिः।
30	शाब्दबोधे व्यापारः कः?	पदजन्यपदार्थस्मरणं शाब्दबोधे व्यापारः।
31	वृत्तिः कतिविधा? के च ते?	द्विविधा, शक्तिलक्षणा चेति।
32	शक्तिग्रहः कस्माद्भवति?	व्याकरणोपमानकोशाप्तवाक्य-व्यवहार-वाक्यशेष-विवरण-सान्ध्यतः सिद्धपदस्य कथनाच्च।
33	आधुनिके नाम्नि शक्तिरस्ति न वा?	अस्ति

34	पिकपदवाच्यः क इति कथं शक्तिग्रहो भवति?	आप्तवाक्यात्
35	जातिशक्तिवादिनः के?	मीमांसकाः
36	जात्याकृतिविशिष्टव्यक्तौ शक्तिरिति केषां मतम्?	नैयायिकानाम्
37	पदचातुर्विध्यं किम्?	यौगिकम्, रूढम्, योगरूढम्, यौगिकरूढम्
38	का नाम लक्षणा?	शक्यसम्बन्धो लक्षणा
39	लक्षणा कतिविधा? काश्च ताः?	त्रिविधा, जहद्, अजहद्, जहदजहच्चेति
40	का नाम लक्षितलक्षणा?	शक्यार्थस्य परम्परासम्बन्धरूपा लक्षणा
41	शाब्दबोधकारणानि कानि?	आसत्तियोग्यताकाङ्क्षातात्पर्यज्ञानानि।
42	आकाङ्क्षा अर्थात् किम्?	यत्पदेन विना यस्यानुभावकता भवेत्।
43	योग्यता का?	एकपदार्थेऽपरपदार्थसम्बन्धः।
44	आसत्तिर्नाम का?	अन्वयप्रतियोग्यनुयोगिपदयोरव्यवधानम्।
45	किं नाम तात्पर्यम्?	वक्तुरिच्छा
46	गौतममहर्षिणा रचितं दर्शनं किम्?	न्यायदर्शनम्।
47	न्यायभाष्यस्य कर्ता कः?	महर्षिवात्स्यायनः।
48	न्यायसूत्रे कति अध्यायाः सन्ति?	५।
49	यमुद्दिश्यप्रवर्तते तत् किम्?	प्रयोजनम्।
50	गन्ध.....तदर्थाः। पूरयत।	गन्धरसरूपस्पर्शशब्दाः पृथिव्यादिगुणास्तदर्थाः।
51	बुद्धेः अर्थान्तरं किम्?	उपलब्धिः ज्ञानं वा।
52	सदसद्विषयकं किमुच्यते?	अनुमानम्।
53	अनुमानं कतिविधम्? किञ्च तत्?	त्रिविधम्, पूर्ववच्छेशवत्सामान्यतोदृष्टञ्च।
54	सूत्रोक्तं प्रत्यक्षलक्षणं किम्?	इन्द्रियार्थसन्निकर्षोत्पन्नं ज्ञानमव्यपदेश्यमव्यभिचारिव्यवसायात्मकं प्रत्यक्षम्।
55	व्याभिचारिबुद्धिः कीदृशी?	अतस्मिन्स्तद्बुद्धिः।
56	आत्मनो लिङ्गं किम्?	इच्छाद्वेषप्रयत्नसुखदुःखज्ञानान्यात्मनो लिङ्गम्।
57	मनसो लिङ्गं किम्?	युगपज्ज्ञानानुत्पत्तिर्मनसो लिङ्गम्।
58	किं नाम दुःखम्?	बाधनालक्षणं दुःखम्।
59	कः अपवर्गः?	तदत्यन्तविमोक्षोऽपवर्गः।
60	दृष्टान्तः कः?	लौकिकपरीक्षकाणां यस्मिन्नर्थे बुद्धिसाम्यं स दृष्टान्तः।
61	निग्रहस्थानं कीदृशम्?	विप्रतिपत्तिरप्रतिपत्तिश्च निग्रहस्थानम्।
62	वादः कः?	प्रमाणतर्कसाधनोपालम्भः सिद्धान्ताविरुद्धः पञ्चावयवोपपन्नः पक्षप्रतिपक्षपरिग्रहो वादः ।
63	कः सव्यभिचारः?	अनैकान्तिको सव्यभिचारः।
64	हेत्वाभासाः के?	सव्यभिचार-विरुद्ध-प्रकरणसम-साध्यसम-कालातीता हेत्वाभासाः ।
65	यस्मात् प्रकरणचिन्ता स निर्णयार्थमपदिष्टः कः?	प्रकरणसमः ।

66	उपचारच्छलस्योदाहरणं किम्?	मञ्चाः क्रोशन्ति।
67	'नवकम्बलोऽस्ये'ति कस्योदाहरणम्?	वाक्छलस्य ।
68	किं नाम छलम्?	वचनविघातोऽर्थविकल्पोपपत्त्या छलम्।
69	त्रिस्रः कथा के भवन्ति?	वाद-जल्प-वितण्डा च ।
70	वितण्डा का?	प्रतिपक्षस्थापनाहीनो वितण्डा।
71	शरीरं किम्?	चेष्टेन्द्रियार्थाश्रयः शरीरम्।
72	छलं कतिविधम्? किञ्च तत्?	त्रिविधम्। वाक्छलं सामान्यच्छलमुपचारच्छलञ्चेति
73	विप्रतिपत्तिरप्रतिपत्तिश्च किम्?	निग्रहस्थानम्।
74	कः शब्दः?	आप्तोपदेशः
75	कः प्रेत्यभावः?	पुनरुत्पत्तिः प्रेत्यभावः
76	कः संशयः?	समानान्नेकधर्मोपपत्तेर्विप्रतिपत्तेरुपलब्ध्यनुपलब्ध्यव्यवस्थातश्च विशेषापेक्षो विमर्शः संशयः
77	सूत्रोक्तं प्रयोजनं किम्?	यमर्थमधिकृत्यप्रवर्तते तत् प्रयोजनम्
78	सिद्धान्तभेदाः के?	सर्वतन्त्रप्रतितन्त्राऽधिकरणाभ्युपगमसंस्थितिरिति
79	के अवयवाः?	प्रतिज्ञाहेतूदाहरणोपनयनिगमनान्यवयवाः
80	सूत्रोक्तं हेतुलक्षणं किम्?	उदाहरणसाधर्म्यात्साध्यसाधनं हेतुः
81	सूत्रोक्तोपनयः कः?	उदाहरणापेक्षस्तथेत्युपसंहारो न तथेति वा साध्यस्योपनयः
82	सूत्रोक्तनिगमनं किम्?	हेत्वपदेशात् प्रतिज्ञायाः पुनर्वचनं निगमनम्
83	तर्कः कः?	अविज्ञाततत्त्वेऽर्थे कारणोपपत्तिः तत्त्वज्ञानार्थमूहस्तर्कः
84	निर्णयः कः?	विमृश्य पक्षप्रतिपक्षाभ्यामर्थावधारणं निर्णयः
85	जल्पः क उच्यते?	यतोक्तोपपन्नश्छलजातिनिग्रहस्थानसाधनोपालम्भो जल्पः
86	सम्भवतोऽर्थस्याऽतिसामान्ययोगात्- असम्भूतार्थकल्पना किमुच्यते?	सामान्यच्छलम्
87	सिद्धान्तमभ्युपेत्य तद्विरोधी क उच्यते?	विरुद्धः
88	कः कालातीतः?	कालत्ययापदिष्टः कालातीतः
89	का नाम जातिः?	साधर्म्यवैधर्म्याभ्यां प्रत्यवस्थानं जातिः
90	किं नाम निग्रहस्थानम्?	विप्रतिपत्तिरप्रतिपत्तिश्च निग्रहस्थानम्

६ अङ्कप्रश्नाः

1	अनुमित्युत्पत्तिप्रक्रियां व्याख्यात।
2	पूर्वपक्षव्याप्तिं परिचाययत।
3	सिद्धान्तव्याप्तिं व्याख्यात।
4	परामर्शं व्याख्यात।
5	पक्षतालक्षणं व्याख्यात।
6	हेत्वाभासान् परिचाययत।
7	शाब्दबोधप्रक्रियां व्याख्यात।
8	उपमित्युत्पत्तिप्रक्रियां व्याख्यात।

9	शक्तिं व्याख्यात।
10	लक्षणां व्याख्यात।
11	शाब्दबोधकारणानि व्याख्यात।
12	पदचातुर्विध्यं व्याख्यात।
13	प्रत्यक्षप्रमाणं व्याख्यात।
14	अनमानप्रमाणं व्याख्यात।
15	प्रमेयसूत्रं व्याख्यात।
16	आत्मनो अस्तित्वे सूत्रोक्तं प्रमाणं व्याख्यात।
17	दृष्टान्तं व्याख्यात।
18	अवयवाः व्याख्येयाः।
19	वादसूत्रं व्याख्यात।
20	जल्पसूत्रं व्याख्यात।
21	'दुःखजन्मप्रवृत्तिदोषमिथ्याज्ञानानामुत्तरोत्तराऽपाये तदनन्तरापायादपवर्गः' व्याख्यात।
22	'आप्तोपदेशः शब्दः' सूत्रं व्याख्यात।
23	'घ्राणरसनचक्षुस्त्वक्-श्रोत्राणीन्द्रियाणि भूतेभ्यः' व्याख्यात।
24	'सम्भवतोऽर्थस्याऽतिसामान्ययोगादसम्भूतार्थकल्पना सामान्यच्छलम्' व्याख्यात।
25	'साधर्म्यवैधर्म्याभ्यां प्रत्यवस्थानं जातिः' व्याख्यात।

१० अङ्कप्रश्नाः

1	'साध्यवदन्याऽवृत्तित्वम्' लक्षणमिदं समन्वयीकुरुत।
2	'हेत्वधिकरणवृत्त्यभावप्रतियोगिसाध्यसामानाधिकरण्यम्' लक्षणमिदं सर्वत्र समन्वयीकुरुत।
3	व्याप्ति-पक्षधर्मता-परामर्शानाम् अनुमितौ करणत्वं प्रतिपादयत।
4	पक्षतायाः स्वरूपं विवृणुत।
5	जातिशक्तिवादमतं निरस्य स्वमतमुपस्थापयत।
6	सव्यभिचारहेत्वाभासं सोदाहरणमुपपादयत।
7	असिद्धहेत्वाभासं लक्षणोदाहरणैः विशदीकुरुत।
8	विरुद्धसत्प्रतिपक्षबाधहेत्वाभासान् व्याख्यात।
9	शाब्दबोधकारणानि विशदीकुर्वन्तु।
10	शक्तिग्रहकारणानि मुक्तावल्यानुसारं प्रतिपादनीयानि।
11	प्रथमेऽध्याये प्रतिपादतविषयान् सङ्क्षेपेण परिचाययन्तु।
12	षोडशपदार्थान् भाष्यदिशा प्रतिपादयन्तु।
13	आत्मशीरेन्द्रियेति प्रमेयसूत्रार्थं भाष्यदिशा विवृण्वन्तु।
14	'तदत्यन्तविमोक्षोऽपवर्गः' भाष्यानुसारं सूत्रमिदं व्याख्यात।
15	संशयलक्षणं भाष्यानुसारं विशदीकुर्वन्तु।
16	सप्रभेदं च्छलं भाष्यदिशा प्रतिपादयन्तु।
17	सप्रभेदं सोदाहरणञ्च सिद्धान्तं विशदीकुर्वन्तु।
18	पञ्चावयवाः सोदाहरणं व्याख्येयाः।
19	हेत्वाभासाः न्यायभाष्यदिशा प्रतिपादयन्तु।
20	तर्कनिर्णयौ यथाभाष्यं व्याख्येयौ।

सर्वदर्शनविभागः

मीमांसादर्शनम्

UGDSC601

मीमांसादर्शनम्

प्रथमभागः

आदितः लिङ्गप्रत्ययाद्यभावेऽपि विधिकल्पनापर्यन्तम्

1. मीमांसापरिभाषायाःलेखकःकः ?
2. मीमांसापरिभाषायां धर्मस्यलक्षणंकिम् ?
3. वेदस्यस्वतःप्रामाण्यं परतःप्रामाण्यं वेति?
4. वेदःकतिविधः ?
5. उत्पत्तिविधिस्वरूपंकिम् ?
6. कर्मोत्पत्तिवाक्यंकिम् ?
7. गुणवाक्यंकिम् ?
8. फलवाक्यंकिम्?
9. फलायगुणवाक्यंकिम् ?
- 10.सगुणकर्मोत्पत्तिवाक्यंनामकिम्?
- 11.सफलकर्मोत्पत्तिवाक्यंकिम्?

द्वितीयो भागः

- 12.प्रयोगविधिःकः ?
- 13.फलापूर्वकल्पनाका?
- 14.अपूर्वविधिःकः?
- 15.विधिः कतिविधःभवति?
- 16.नियमविधिःकः?
- 17.परिसंख्याविधिःकः?
- 18.कतिप्रमाणानिभवन्ति?
- 19.का नामश्रुतिः?

20. किं नाम लिङ्गम् ?
21. लिङ्गं कतिविधम् ?
22. वाक्यं किम् ?
23. किं नाम प्रकरणम् ?
24. स्थानं नाम किम् ?
25. समाख्या का ?
26. अङ्गलक्षणं किम् ?

तृतीयो भागः

27. कर्मकतिविधः ?
28. प्रतिपत्तिकर्मकतिप्रकारकाः भवन्ति ?
29. प्रतिपत्तिकर्मकतिप्रकारकाः भवन्ति ?
30. भावनाका ?
31. शाब्दी भावना किमर्थम् ?
32. भावनायाः लक्षणं किम् ?

चतुर्थो भागः

33. ज्योतिष्टोमेन यजेत।
34. अग्निहोत्रं।
35. वाक्यभेदैः कस्य चतुर्धा विभागः जायते।
36. अग्निहोत्रं जुहोति इत्यत्र अग्निहोत्रशब्देन किं विधीयते।
37. 'नासाधितं करणं' इति न्यायेन किं बोध्यते।
38. 'श्येनेनाभिचरन् यजेत' इत्यत्र श्येनपदं कस्य नामधेयम्।
39. को नाम अभिचारः ?
40. स्मृतिः का ?
41. प्रमेयं नाम किम् ?

टिप्पणीलिखत

प्रथमो भागः

1. धर्माधर्मनिरूपणम्
2. वेदद्वैविध्यम्
3. ब्राह्मणवाक्यभेदाः
4. कर्मोत्पत्तिवाक्यम्
5. गुणवाक्यम्
6. फलवाक्यम्
7. फलाय गुणवाक्यम्
8. सगुणकर्मोत्पत्तिवाक्यम्
9. सफलकर्मोत्पत्तिवाक्यम्
10. प्रयोगविधिः
11. फलापूर्वकल्पना
12. उत्पत्त्यपूर्वकल्पना
13. यजिपदाश्रवणेऽपि यागविधानम्
14. लिङ्गप्रत्ययाद्यभावेऽपि विधिकल्पना

2. द्वितीयो भागः

1. त्रिकापूर्वाद्युत्पत्तिः
2. विधित्र्यैविध्यम्
3. अपूर्वविधिः
4. नियमविधिः
5. परिसंख्याविधिः
6. श्रुत्यादिषड्प्रमाणानि
7. श्रुतिनिरूपणम्
8. लिङ्गनिरूपणम्
9. वाक्यनिरूपणम्
10. प्रकरणनिरूपणम्
11. स्थाननिरूपणम्

12. समाख्यानिरूपणम्
13. श्रुतिप्राबल्यविचारः
14. लिङ्गादिप्राबल्यविचारः
15. अङ्गलक्षणम्
16. सन्निपत्योपकारकमङ्गम्
17. आरादुपकारकमङ्गम्

3. तृतीयो भागः

1. कर्मभेदविचारः
2. प्रतिपत्तिकर्मस्वरूपं भेदाश्च
3. यागहोमशब्दार्थविचारः
4. उपयोक्ष्यमाणसंस्कारभेदाः
5. मतान्तरेण प्रतिपत्तिलक्षणम्
6. अर्थगुणकर्मणोः प्राधान्यविचारः
7. गुणकर्मणश्चातुर्विध्यम्
8. काम्यकर्मणश्चैविध्यम्
9. वेदस्यालौकिकार्थबोधकत्वम्
10. विधायकत्वप्रकारविचारः
11. आर्थी भावना
12. शाब्दी भावना
13. भावनालक्षणम्

चतुर्थो भागः

1. ज्योतिष्टोमादीनां नामत्वप्रतिपादनम्
2. तत्प्रख्यादिहेतुविचारः
3. विरुद्धत्रिकविचारः
4. अर्थवादविचारः

5. मन्त्रप्रामाण्यविचारः
6. परिसंख्याया दोषत्रयम्
7. विकल्पे दोषाष्टकम्
8. वेदस्य प्रामाण्यविचारः
9. स्मृत्यादिप्रामाण्यविचारः
10. कर्मभेदनिरूपणम्
11. प्रमेयादिविचारः
12. क्रमनिरूपणम्

दीर्घोत्तरीयप्रश्नाः

प्रथमो भागः

1. मीमांसापरिभाषाग्रन्थस्यमङ्गलाचरणं विलिख्य व्याख्यायत।
2. मीमांसापरिभाषादिशाधर्माधर्मनिरूपणं कुरुतः।
3. वेदद्वैविध्यमभिलक्ष्य निबन्धमेकं प्रस्तूयत।
4. ब्राह्मणवाक्यभेदानां सयुक्तिकं विश्लेषणं कुरुत।
5. प्रयोगविधेः सोदाहरणं स्वरूपं विशदयत।
6. फलापूर्वकल्पनां विस्तरेण व्याख्यायत।

द्वितीयो भागः

7. कोनामअपूर्वः? विस्तरेण विवेचयत।
8. श्रुत्यादिषडप्रमाणानिकानि? प्रतिपादयत।
9. श्रुतिप्राबल्यविचारं स्वाधीतग्रन्थदिशा निरूपयत।
10. लिङ्गादिप्राबल्यविचारं प्रस्तूयत।
11. अङ्गलक्षणं परिष्कृत्य तद्भेदान् प्रदर्शयत।

तृतीयो भागः

12. कर्मभेदान् विचारयत।
13. यागहोमशब्दार्थविचारं कुरुत।
14. अर्थगुणकर्मणोः प्राधान्यं विश्लेषयत।

15. वेदस्य अलौकिकार्थबोधकत्वं प्रतिपादयत।
16. आर्थी भावनां विवेचयत।
17. शाब्दी भावनां विवेचयत।
18. भावनालक्षणं स्युक्तिकं परिष्कुरुत।

चतुर्थो भागः

19. ज्योतिष्टोमादीनां नामत्वं प्रतिपादयत।
20. अर्थवादविचारं प्रस्तूयत।
21. मन्त्रप्रामाण्यविचारं कुरुतः।
22. स्मृत्यादिप्रामाण्यविचारं प्रस्तूयत।
23. कर्मभेदान् निरूपयत।
24. प्रमेयादीनां विचारं कुरुत।

मानमेयोदये प्रश्नाः

अतिलघूत्तरीयाः प्रश्नाः

प्रथमो भागः

1. मानमेयोदयग्रन्थस्य लेखकः कः?
2. यथार्थानुभवस्य लक्षणं किम्?
3. गोपालपोतः इत्यत्र पोतशब्दस्य कोर्थः?
4. चक्षुरीन्द्रियस्य स्थानं किम्?
5. इन्द्रियार्थसन्निकर्षः प्रमाणमिति मतं कस्य?
6. स्मृतिः का?
7. सर्वज्ञानेषु आत्मा कथं प्रकाशते?
8. वेदान्तिनः कति प्रमाणानि अङ्गीकुर्वन्ति?

9. संभवैतिह्ययोः प्रमाणत्वं के अङ्गीकुर्वन्ति?
10. का नाम प्रमा?
11. गुरुमते अनुभूतेः प्रमाणं भवति न वा?
12. विसंवादिज्ञानं किम्?
13. अविसंवादिज्ञानं किम्?
14. अविसंवादिज्ञानं प्रमाणमिति कस्य मतम्?
15. प्रमाणं नाम किम्?
16. प्रमाणानि कति भवन्ति?
17. विभुत्वं नाम किम्?

द्वितीयो भागः

1. प्रत्यक्षस्य लक्षणं किं?
2. 'कल्पनापोढम् अभ्रान्तं प्रत्यक्षम्' – इति केषां मतम्?
3. स्वाभाविको संबन्धः कः?
4. अनिष्टः कतिविधः?
5. तर्काभासत्वं कदा भवति?
6. को नाम तर्कः?
7. इन्द्रियसन्निकर्षजं किं प्रमाणम्?
8. इन्द्रियाणि कानि?
9. सन्निकर्षः कतिविधः?
10. सविकल्पेन कतिविकल्पाः भवन्ति?
11. किं नाम अनुमानम् ?
12. अनुमानं कतिविधम्?
13. शब्दप्रमाणस्य लक्षणं किम्?
14. उपमानस्य लक्षणं किम्?
15. अनुपलब्धेः लक्षणं किम्?
16. अर्थापत्तेः लक्षणं किम्?
17. अर्थापत्तिः कतिविधाः?
18. 'नीतितत्त्वाविभाव' ग्रन्थस्य लेखकः कः?

टिप्पणीलिखत

प्रथमो भागः

1. प्रमा
2. प्रमाणम्
3. अविस्वादिज्ञानम्
4. अनुभूतिः
5. नारायणद्वयम्
6. मानमेयोदयः
7. इन्द्र्याणि
8. मन
9. प्रभाकरः
10. कुमारिलभटः
11. संयोगः
12. संयुक्ततादात्म्यम्

द्वितीयो भागः

1. मनोवैभवस्थापनम्
2. सन्निकर्षद्वयस्थापनम्
3. उपाधिलक्षणम्
4. व्याप्तिः
5. तर्कलक्षणम्
6. तर्काङ्गपञ्चकम्
7. अनवस्था
8. गौरवम्
9. लाघवम्
10. हेत्वाभासः
11. शब्दप्रमाणम्
12. उपमानप्रमाणम्

13. अर्थापत्तिः

14. अनुपलब्धिः

दीर्घोत्तरीयप्रश्नाः

प्रथमो भागः

1. मङ्गलाचरणं विलिख्य तस्य व्याख्या प्रदेया।
2. सन्निकर्षस्य द्वैविध्यं सोदाहरणं प्रस्तूयत।
3. 'यथार्थानुभवः प्रमेति' तार्किकमतं सयुक्तिकं निराकुरुत।
4. अनुभूतेः प्रमाणत्वं व्यवस्थाप्य तत्खण्डयत।
5. बौद्धसम्मतअविसंवादिज्ञानस्य प्रमाणत्वं ग्रन्थोक्तदिशाखण्डयत।
6. मानमेयोदयानुसारं प्रमाणसामान्यं विवेचयत।
7. सविकल्पकस्य पञ्चधा विकल्पो भवतीति मतं सोदाहरणं विवेचयत।

द्वितीयो भागः

8. मनोवैभवत्वं प्रतिपादयत।
9. प्रत्यक्षप्रमाणाभिलक्ष्यनिबन्धमेकं प्रस्तूयत।
10. अनुमानप्रमाणं विवेचयत।
11. शब्दप्रमाणं विवेचयत।
12. कोनामहेत्वाभासः सभेदं प्रस्तूयत।
13. अर्थापत्तिप्रमाणं निरूपयत।
14. अनुपलब्धिप्रमाणस्य लक्षणं स्वरूपं च विवेचयत।
15. प्रभाकरोक्तकर्मप्रत्यक्षस्य खण्डनं कुरुतः।

सांख्ययोगदर्शनबोधः

UGSDSC-603

प्रथमः भागः

1marks questions:-

लघु प्रश्नाः

- १.सांख्यदर्शनस्य प्रणेता कः?
- २.सांख्यकारिकायाः उपजीव्यं किम् अस्ति?
- ३.सांख्यकारिकायाः नामान्तरं किम् अस्ति?
- ४.सांख्यसूत्रं कस्य रचना अस्ति?
- ५.सात्त्विक-अहंकाराद् किं प्रवर्तते?
- ६.आलोचनमात्रं केषां वृत्तिः सन्ति?
- ७.सांख्यमते करणं कतिविधम्?
- ८.अन्तकरणम् कतिविधम् भवति?
- ९.पुरुषस्य अर्थं के प्रकाशयन्ति?
- १०.अपवर्गः केन सिद्ध्यति?
- ११.बन्धः कस्माद् भवति?
- १२.प्रत्ययसर्गः मूलतः कतिविधः?
१३. भेदोपभेदपूर्वकः प्रत्ययसर्गः कतिविधः?
- १४.अशक्तिः कतिविधा भवति?
- १५.वत्सविवृद्धिनिमित्तं क्षीरस्य इव पुरुषविमोक्षनिमित्तं कस्य प्रवृत्तिः भवति?

१६. आत्मानं प्रकाश्य नर्तकी इव का निवर्तते?
१७. "गुणवत्यगुणस्य सतस्तस्यार्थमपार्थकं चरति" इत्यत्र ' अगुणस्य इति पदेन कस्य संकेतग्रहः भवति?
१८. दृष्टा अस्मीति मत्वा का पुरुषस्य दर्शनं पुनर्न उपैति?
१९. सांख्यदर्शने का संसरति बध्यते मुच्यते च?
२०. रूपैः सप्तभिरेव आत्मानम् आत्मना का बध्नाति?
२१. बुद्धेः कति भावाः सन्ति?
२२. स्वच्छः प्रेक्षकवदवस्थितः प्रकृतिं कः पश्यति?
२३. प्राप्ते शरीरभेदे ऐकान्तिकमात्यन्तिकमुभयं कैवल्यं कः आप्नोति?
२४. माठरवृत्ति -टीकायाः आधारग्रन्थः किमस्ति?
२५. आसुरिः कस्य शिष्यः अस्ति?
२६. सांख्यदर्शने सर्वाधिक- सुकुमारतरम् का अस्ति?
२७. कस्मिन् दर्शने पङ्ग्वन्धन्यायेन सृष्टिं स्वीकरोति?
२८. सांख्यदर्शने सिद्धौ कस्यान्तर्भावः स्वीक्रियते?
२९. भेदप्रभेदपूर्वकः विपर्ययः कतिविधः?
३०. ऊर्ध्वगमनं केन सिद्ध्यति?
३१. सांख्यमते " सत्वरजस्तमसां साम्यावस्था" कस्य भवति?
३२. सांख्यानुसारं सृष्टिकारणं किम्?
३३. "कार्यं सत्" इति सिद्धान्तः कस्मिन् दर्शने स्वीकृतः?
३४. सत्कार्यवादे उत्पत्तेः पूर्वं कार्यं कीदृशं अस्ति?
३५. सांख्यमते अव्यक्तं कीदृशं तत्त्वरूपेण स्वीकृतम्?

३६. व्यक्ताव्यक्तज्ञविज्ञानात् इत्यत्र " ज्ञ " शब्देन कः बोद्धव्यः?
३७. "नासतो विद्यते भावो नाभावो विद्यते सतः" गीतायाः एषः सिद्धान्तः कस्मिन् दर्शनेन सह सम्बद्धः अस्ति?
३८. सांख्यकारिकानुसारं प्रमाणानां संख्या कति सन्ति?
३९. सांख्यतत्त्वकौमुदीदिशा सर्गस्य कारणं किम्?
४०. "तल्लिङ्गलिङ्गिपूर्वकम्" लक्षणमिदं कस्य विद्यते?
४१. सांख्यदर्शने कतिविधः भौतिकसर्गः?
४२. सांख्यमते मुक्तिः कतिविधा ?
४३. "सतः सत् जायते" इति कस्य दर्शनस्य मतमस्ति?
४४. जयमंगला टीकायाः रचयिता कः अस्ति?
४६. बुद्धेः लक्षणम् किम्?
४७. सांख्यदर्शने पंग्वन्धन्याये पंगुवद् कः वर्तते?
४८. सांख्यकारिकायां ज्ञानं कस्य भावाः अस्ति?
४९. उपादानग्रहणात् इत्यनेन कः पुष्यते?
५०. सांख्यानां कार्यकारणवादः कीदृशः
५१. योगदर्शने का नाम धारणा?
५२. योगदर्शनस्य प्रवर्तकः कः?
५३. व्यासभाष्यं केन विरचितम्?
५४. योगाङ्गानि कति सन्ति?
५५. योगाङ्गेषु अन्तरङ्गानि कति सन्ति?

- ५६.योगाङ्गेषु अन्तरङ्गानां नाम लिखित।
५७. योगदर्शने किं नाम ध्यानम्?
- ५८.योगदर्शने किं नाम समाधिः?
- ५९.तदेवार्थमात्रनिर्भासं स्वरूपशून्यमिव -----?
- ६०.योगदर्शने किं नाम संयमः?
- ६१.योगदर्शने संयमपदेन किं विधीयते?
- ६२.संयमजयात् किं लब्धुं शक्यते?
- ६३.सम्प्रज्ञातसमाधिसिद्ध्यर्थं केषां अन्तरङ्गत्वेन अभिधीयन्ते?
- ६४.निर्वीजसमाधेः कृते केषां वहिरङ्गत्वेन विविच्यन्ते?
- ६५.योगदर्शने किम् नाम निरोधपरिणामः?
- ६६.योगदर्शने निरोधसंस्कारात् किं भवति?
- ६७.योगदर्शने समाधिपरिणामः?
- ६८.योगदर्शने परिणामत्रयानां संयमेन किं लभ्यते?
- ६९.योगदर्शने पूर्वजातिज्ञानं कस्मात् भवति?
- ७०.योगदर्शने कायरूपसंयमात् किं भवति?
- ७१.योगदर्शने मैत्रादिषु किम् भवति?
- ७२.योगदर्शने सूर्ये संयमाद् किम् भवति?
७३. योगदर्शने ध्रुवे-----?
७४. नाभिचक्रे संयमाद् किं भवति?
- ७५.योगदर्शने कण्ठकूपे-----?

- ७६.योगदर्शनानुसारं स्थैर्यं केन लभ्यते?
- ७७.योगदर्शनानुसारं सिद्धदर्शनं केन लभ्यते?
- ७८.योगदर्शनानुसारं प्रातिभाद्वा किं भवति?
- ७९.चित्तसंविद् कस्मात् भवति?
- ९०.----- समाधिजाः सिद्धयः?
- ९१.योगदर्शनानुसारं कदा चित्तं विवेकनिम्नं कैवल्यप्राग्भारं भवति?
- ९२.योगदर्शनानुसारं धर्ममेघः समाधिः कदा भवति?
- ९३.धर्ममेघसमाधये किं भवति?
- ९४.योगदर्शनानुसारं किं नाम कैवल्यम्?

6marks QUESTIONS:-

टीप्पणी

- १.करणानि
- २.बुद्धेः अष्टभावाः
- ३.सिद्धिभेदाः
- ४.भूतसर्गः
- ५.विवेकज्ञानम्
- ६.इन्द्रियस्वरूपविमर्शः
- ७.दृष्टप्रमाणम्

८.अनुमानप्रमाणम्

९.दुःखत्रयम्

१०.पञ्चविंशतितत्त्वानि

११.प्रमाणम्

१२.प्रकृतेः अनुपलब्धेः कारणानि

१३.प्रधानस्य अनुमेयत्वम्

१४.प्रकृति-पुरुषयोः संयोगः

१५.गुणत्रयम्

१६.सृष्टिक्रमः

१७.करणानां वृत्तिक्रमविचारः

१८.अहंकारस्य स्वरूपम्

१९.बुद्धेः स्वरूपम्।

२०. तन्मात्रायाः स्वरूपम्।

२१.जडा प्रकृतेः प्रवृत्तिः।

२२.योगदर्शनम्।

२३.महर्षिः पतञ्जलिः।

२४.योगाङ्गम्।

२५.व्यासभाष्यस्य महत्वम्।

२६.अन्तरङ्गयोगाङ्गम्।

२७.संयमः।

२८. धारणा।

२९. ध्यानम्।

३०. समाधिः।

३१. धर्मपरिणामः।

३२. लक्षणपरिणामः।

३३. अवस्थापरिणामः।

३४. पञ्चसिद्धिः

३५. कैवल्यम्।

व्याख्या कुर्याः (6 marks)

१. दुःखत्रयाभिघाताज्जिज्ञासा तदपघातके हेतौ।

दृष्टे साऽपार्था चेन्नैकान्तात्यन्ततोऽभावात्।।

२. दृष्टमनुमानमाप्तवचनं च सर्वप्रमाणानसिद्धत्वात्।

त्रिविधं प्रमाणमिष्टं प्रमेयसिद्धिः प्रमाणाद्धिः।।

३. प्रतिविषयाध्यवसायो दृष्टं त्रिविधमनुमानमाख्यातम्।

तल्लिङ्गलिङ्गिपूर्वकमाप्तश्रुतिराप्तवचनं तु।।

४. असदकरणादुपादानग्रहणात् सर्वसम्भवाभावात्।

शक्तस्य शक्यकरणात् कारणभावाच्च सत् कार्यम्॥

५. प्रीत्यप्रीतिविषादात्मकाः प्रकाशप्रवृत्तिनियमार्थाः।

अन्योऽन्याभिभवाश्रयजननमिथुनवृत्तयश्च गुणाः॥

६. भेदाणां परिमाणानात् समन्वयाच्छक्तितः प्रवृत्तेश्च।

कारणकार्यविभागादविभागाद्वैश्वरूपस्य॥

७. संघातपरार्थत्वात् त्रिगुणादिविपर्ययादधिष्ठानात्।

पुरुषोऽस्ति भोक्तृभावात् कैवल्यार्थं प्रवृत्तेश्च॥

८. जननमरणकरणानां प्रतिनियमादयुगपत् प्रवृत्तेश्च।

पुरुषवहुत्वं सिद्धं त्रैगुण्यविपर्ययाच्चैव॥

९. पुरुषस्य दर्शनार्थं कैवल्यार्थं तथा प्रधानस्य।

पङ्गवन्धवदुभयोरपि संयोगस्तत् कृतः सर्गः।

१०. प्राप्ते शरीरभेदे चरितार्थत्वात् प्रधानविनिवृत्तौ।

ऐकान्तिकमात्यन्तिकमुभयं कैवल्यमाप्नोति॥

११. देशबन्धश्चित्तस्य धारणा।

१२. तदेवार्थमात्रनिर्भासं स्वरूपशून्यमिव समाधिः।

१३. त्रयमेकत्र संयमः।

१४. तदपि बहिरङ्गं निर्बीजस्य।

१५. पुरुषार्थशून्यानां गुणानां प्रतिप्रसवः कैवल्यं स्वरूपप्रतिष्ठा वा चितिशक्तिरिति।

10marks QUESTIONS :-

दीर्घोत्तरीयाः प्रश्नाः:-

१. सांख्यतत्त्वकौमुद्यानुसारं तुष्टिभेदस्वरूपं विवेचयत।

२. सांख्यतत्त्वकौमुदीदिशा अपवर्गः विवेचयत।

३. सांख्यतत्त्वकौमुदीदिशा सूक्ष्मशरीरं विवेचयत।

४. पुरुषस्य बन्धमोक्षयोः कथमुपपत्तिः? कथञ्चापवर्गप्राप्तिः? किञ्च सांख्यशास्त्रे विवेकज्ञानमिति सविशदं व्याख्यायताम्।

५. सांख्यतत्त्वकौमुदीदिशा प्रत्ययसर्गविषये एकः प्रबन्धो लिखत।

६. सांख्यशास्त्रानुसारं प्रमाणस्य सामान्यलक्षणं निरूप्य दृष्टप्रमाणमालोचयत।

७. सांख्यदर्शनानुसारं अनुमानप्रमाणं सभेदं सविशदं आलोचयत।

८. सांख्यतत्त्वकौमुदीदिशा मुक्तेः स्वरूपं प्रतिपादयत।

९. सांख्यशास्त्रानुसारं सृष्टिक्रियां विवृणोतु।

१०. सांख्यमतानुसारं पुरुषबहुत्वं साधयताम्।

- ११.सांख्यदर्शनानुसारं के तावत् गुणाः? गुणानां स्वरूपं सविशदं प्रतिपादयताम्।
- १२.सांख्यमते प्रधानसिद्धिः कथं सम्भवति आलोच्यताम्।
- १३.सत्यापि दृष्टे चानुश्रविके चोपाये दुःखनिवृत्त्यर्थं सांख्यशास्त्रं कथं आरम्भनीयम् आलोच्यताम्।
- १४.सांख्यतत्त्वकौमुदीदिशा पुरुषास्तित्वे प्रमाणानि आलोच्यताम्।
- १५.सांख्यतत्त्वकौमुदीदिशा प्रधानस्य अनुपलब्धेः कारणानि सविशदं आलोचयत।
१६. सांख्यतत्त्वकौमुद्यानुसारेण सत्कार्यवादं प्रतिपादयत।
- १७.प्रकृति-पुरुषयोः संयोगेन सृष्टिं कथं सम्भवति आलोच्यताम्।
- १८.भावसहकारेण बुद्धेः स्वरूपं प्राधान्यं च प्रतिपादयत।
- १९.करणानां वृत्तिक्रमविचारविषयमधीकृत्य एकः लेखः लिखत।
- २०.सांख्यदर्शनानुसारं सिद्धेः स्वरूपं विलिख्य सिद्धिभेदं प्रतिपादयत।
- २१.सांख्यशास्त्रानुसारं आप्तप्रमाणं निरूपयत।
- २२ . सांख्यशास्त्रे कति प्रमाणानि स्वीकृतानि सन्ति? तेषु यस्य कस्यचित् एकस्य स्वरूपं व्याख्यायताम्।
- २३.सांख्यतत्त्वकौमुद्यानुसारेण पुरुषस्य स्वरूपं व्याख्यायताम्।
- २४.सांख्यशास्त्रानुसारं कति तत्त्वानि भवन्ति? तेषां स्वरूपं सविशदं प्रतिपादयताम्।
- २५.कः भावसर्गः? भावसर्गमधीकृत्य एकः प्रबन्धो लिखत।
- २६.योगदर्शनानुसारं कैवल्यविषयं प्रतिपादयत।
- २७.योगदर्शनानुसारं विभूतिपादस्य संक्षिप्तः परिचयः प्रददातु।
- २८.योगदर्शनानुसारं कैवल्यपादस्य संक्षिप्तः परिचयः प्रददातु।
- २९.योगदर्शनानुसारं अन्तरङ्गयोगाङ्गविषये लिखत।
- ३०.योगदर्शनानुसारं पञ्चसिद्धिविषये लिखत।

